|  |  |  |  |  |  |  |  |
| --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- | --- |
|  | | | | | | | |
| **1** |  | | | | | | |
| **2** |  | | | | | | |
| **3** |  | | | | | | |
| **4** |  | | | | | | |
| **5** |  | | | | | | |
| **6** |  | | | | | | |
| **7** |  | | | |  | | |
| **8** |  | | | |
| **9** |  | | | |
| **10** |  | | | |
|  | | | | | | | |
| • |  | | | | | | |
| • |  | | | | | | |
| • |  | | | | | | |
| • |  | | | | | | |
| [**www.facebook.com/CommunityLanguagesAssociationNZ/**](file:///C:\Users\user\Desktop\Speaking%20MT%20in%20the%20home\www.facebook.com\CommunityLanguagesAssociationNZ\) | | | | | | | |
|  | |  | **Community Languages Association of New Zealand (CLANZ)** |  | |  |  |

English text by Hilary Smith, illustration by Sarah Illingworth. © 2017 CLANZ Translated by: